Roll. No. : .....

VAC-01

Second Semester Examination, 2024 (June)

[वैदिक अध्ययन]

Time : 2 Hours] **[Maximum Marks : 100**

नोट– यह प्रश्न पत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (2) खण्डों (क) तथा (ख) में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट– खण्ड (क) में पाँच (5) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (2) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। **2×26=52**

1. वेदों में वर्णित सृष्टि संरचना के स्वरूप का विस्तार से वर्णन कीजिए।

2. ब्रह्माण्ड का अर्थ एवं स्वरूप का विस्तार से वर्णन कीजिए।

3. आरण्यकों के रचना काल एवं प्रतिपाद्य विषय पर प्रकाश डालिए।

4. वैदिक साहित्य का परिचय लिखिए।

5. किन्हीं चार उपनिषदों का परिचय दीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट– खण्ड (ख) में आठ (8) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (4) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। **4×12=48**

1. पुराणों के अनुसार सृष्टि संरचना के स्वरूप की व्याख्या कीजिए।

2. ब्रह्माण्ड के सदस्यों के बारे में बताइये।

3. निरुक्त का महत्व बताइये।

4. नासदीय सूक्त पर एक निबन्ध लिखिए।

5. शिवसंकल्पसूक्त के अनुसार मन का स्वरूप लिखिए।

6. निम्नलिखित उपनिषदों पर टिप्पणी लिखिए–

   (1) माण्डूक्योपनिषद्

   (2) कठोपनिषद्

(3) छान्दोग्योपनिषद्

(4) ईशावास्योपनिषद्

7. आरण्यकों के विषय विवेचन पर प्रकाश डालिए।

8. वेदांगों के वर्ण्य विषय पर प्रकाश डालिए।

****